'माओवाद मुक्त' पंचायतों के लिये विशेष प्रोत्साहन

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर में **माओवादियों के आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित करने** के लिये एक योजना शुरू की है, जिसके तहत "**माओवाद-मुक्त**" **पंचायतों को निर्माण परियोजनाओं** के लिये **1 करोड़ रुपए और अन्य लाभ प्रदान किये जाएंगे।**

मुख्य बिंदु

- **माओवादी आत्मसमर्पण आवश्यकता:**
  - राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घोषणा की कि **एलवाड पंचायत अभियान** के तहत पंचायत को **नक्सल गतिविधियों में शामिल सभी निवासियों का आत्मसमर्पण सुनिश्चित करना होगा।** इसके बाद गाँव माओवाद मुक्त घोषित करने के लिये प्रस्ताव पेश कर सकता है।
- **माओवाद मुक्त पंचायतों के लिये प्रोत्साहन:**
  - **निर्माण परियोजनाओं के लिये 1 करोड़ रुपए** की तत्काल मंज़ूरी।
  - नेटवर्क पहुँच में सुधार के लिये मोबाइल टावरों की स्थापना या निकटवर्ती टावरों से **सिग्नल ट्रांसमिशन।**
  - **पंचायत तक विद्युत् लाइनों का विस्तार** तथा ग्रिड कनेक्शन स्थापित होने तक अस्थायी उपाय के रूप में **सौर प्रकाश व्यवस्था।**
- **ओडीएफ गाँवों और पुनर्वास नीति के साथ तुलना:**
  - उपमुख्यमंत्री ने इस पहल की तुलना **खुले में शौच मुक्त (ODF) गाँव अभियान** से की तथा सामूहिक सामुदायिक भागीदारी पर ज़ोर दिया।
  - **उन्होंने छत्तीसगढ़ नक्सल आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025** के प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें शामिल हैं:
    - **कौशल विकास:** आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिये प्रशिक्षण।
    - **आवास और भूमि आवंटन:** **पीएम आवास योजना** के तहत।
    - **वित्तीय सहायता:** पुनर्वास के लिये अतिरिक्त राहत उपाय।

माओवाद

- **परिचय:**
  - माओवाद **माओ त्से तुंग द्वारा विकसित साम्यवाद का एक रूप है। यह सशस्त्र विद्रोह, जन-आंदोलन और रणनीतिक गठबंधनों** के संयोजन के माध्यम से राज्य सत्ता पर कब्ज़ा करने का सिद्धांत है।
    - माओ ने इस प्रक्रिया को **'दीर्घकालिक जनयुद्ध' कहा, जिसमें** सत्ता पर कब्ज़ा करने के लिये **'सैन्य लाइन'** पर ज़ोर दिया जाता है।
- **माओवादी विचारधारा:**
  - माओवादी उग्रवाद सिद्धांत के अनुसार, **'हथियार रखने पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता'।**
    - माओवादी विचारधारा का केंद्रीय विषय राज्य सत्ता पर कब्ज़ा करने के साधन के रूप में **हिंसा और सशस्त्र विद्रोह का प्रयोग करना है।**
- **भारतीय माओवादी:**
  - भारत में सबसे बड़ा और सबसे हिंसक माओवादी संगठन **भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) है जिसका गठन वर्ष 2004 में हुआ था।**
  - CPI **(माओवादी) और उसके अग्रणी संगठनों को गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967** के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया।
  - फ्रंट ऑर्गनाइजेशन मूल माओवादी पार्टी की **शाखाएँ हैं, जो कानूनी उत्तरदायित्व से बचने के लिये अलग अस्तित्व का दावा करती हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/special-incentives-for-moisture-free-panchayats